Exam. Code: 0010
Sub. Code: 0752

2054
B.A./B.Sc.(Hons.)-6th Semester
Sanskrit
Paper-IV

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोट: सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं। सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

-*-*-*-

प्रश्न–1:निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** मंत्रों का अनुवाद एवं व्याख्या कीजिए: –

(क) स होवाच पितरं तत कस्मै मां दास्यसीति।
द्वितीयं तृतीये तं होवाच मृत्यवे त्वा ददामीति।।

(ख) शतायुष: पुत्रपौत्राञ्वृणीष्व बहूनन्पशून्हस्तिहिरण्यमश्वान।
भूमेर्महदायतनं वृणीष्व स्वयं च जीव शरदो यावदिच्छसि।।

(ग) अविद्यायामन्तरे वर्तमान: स्वयं धीरा: पण्डितम्मन्यमाना:।
दन्द्रम्यमाणा परियन्ति मूढा अन्धेनैव नीयमाना यथान्धा:।।

(घ) सर्वे वेदा यत् पदमामनन्ति, तपासि सर्वाणि च यद् वदन्ति।
यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्य चरन्ति तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत्।।

(ड.) यस्तु विज्ञानवान्भवति युक्तेन मनसा सदा।
तस्येन्द्रियाणि वश्यानि सदश्वा इव सारथे:।।

(च) महत: परमव्यक्तमव्यक्तात्पुरुष: पर:।
पुरुषान्न परं किंचित्सा काष्ठा सा परा गति:।। (4×10)

प्रश्न–2:कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय का वर्ण्य–विषय लिखें।

अथवा

आत्मविद्या के लिए योग्य पात्र मिलने पर प्रसन्न होकर यमराज ने नचिकेता को क्या उपदेश दिया। (1×20)

प्रश्न–3:निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** का प्रतिपाद्य विषय लिखें:–

(क) सामवेद
(ख) अथर्ववेद
(ग) ईशोपनिषद
(घ) शतपथ–ब्राहमण (2×15)

-*-*-*-